ٱلرِّجَالُ قَوَّٰمُونَ عَلَى ٱلنِّسَآءِ بِمَا فَضَّلَ ٱللَّهُ بَعۡضَهُمۡ عَلَىٰ
بَعۡضٖ وَبِمَآ أَنفَقُواْ مِنۡ أَمۡوَٰلِهِمۡۚ فَٱلصَّٰلِحَٰتُ قَٰنِتَٰتٌ
حَٰفِظَٰتٞ لِّلۡغَيۡبِ بِمَا حَفِظَ ٱللَّهُۚ وَٱلَّٰتِي تَخَافُونَ نُشُوزَهُنَّ
فَعِظُوهُنَّ وَٱهۡجُرُوهُنَّ فِي ٱلۡمَضَاجِعِ وَٱضۡرِبُوهُنَّۖ فَإِنۡ
أَطَعۡنَكُمۡ فَلَا تَبۡغُواْ عَلَيۡهِنَّ سَبِيلًاۗ إِنَّ ٱللَّهَ كَانَ عَلِيّٗا
كَبِيرٗا ٣٤ وَإِنۡ خِفۡتُمۡ شِقَاقَ بَيۡنِهِمَا فَٱبۡعَثُواْ حَكَمٗا مِّنۡ
أَهۡلِهِۦ وَحَكَمٗا مِّنۡ أَهۡلِهَآ إِن يُرِيدَآ إِصۡلَٰحٗا يُوَفِّقِ ٱللَّهُ
بَيۡنَهُمَآۗ إِنَّ ٱللَّهَ كَانَ عَلِيمًا خَبِيرٗا ٣٥ * وَٱعۡبُدُواْ ٱللَّهَ وَلَا
تُشۡرِكُواْ بِهِۦ شَيۡـٔٗاۖ وَبِٱلۡوَٰلِدَيۡنِ إِحۡسَٰنٗا وَبِذِي ٱلۡقُرۡبَىٰ
وَٱلۡيَتَٰمَىٰ وَٱلۡمَسَٰكِينِ وَٱلۡجَارِ ذِي ٱلۡقُرۡبَىٰ وَٱلۡجَارِ ٱلۡجُنُبِ
وَٱلصَّاحِبِ بِٱلۡجَنۢبِ وَٱبۡنِ ٱلسَّبِيلِ وَمَا مَلَكَتۡ أَيۡمَٰنُكُمۡۗ
إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُحِبُّ مَن كَانَ مُخۡتَالٗا فَخُورًا ٣٦ ٱلَّذِينَ يَبۡخَلُونَ
وَيَأۡمُرُونَ ٱلنَّاسَ بِٱلۡبُخۡلِ وَيَكۡتُمُونَ مَآ ءَاتَىٰهُمُ ٱللَّهُ مِن
فَضۡلِهِۦۗ وَأَعۡتَدۡنَا لِلۡكَٰفِرِينَ عَذَابٗا مُّهِينٗا ٣٧ وَٱلَّذِينَ
يُنفِقُونَ أَمۡوَٰلَهُمۡ رِئَآءَ ٱلنَّاسِ وَلَا يُؤۡمِنُونَ بِٱللَّهِ وَلَا بِٱلۡيَوۡمِ
ٱلۡأٓخِرِۗ وَمَن يَكُنِ ٱلشَّيۡطَٰنُ لَهُۥ قَرِينٗا فَسَآءَ قَرِينٗا ٣٨ وَمَاذَا
عَلَيۡهِمۡ لَوۡ ءَامَنُواْ بِٱللَّهِ وَٱلۡيَوۡمِ ٱلۡأٓخِرِ وَأَنفَقُواْ مِمَّا رَزَقَهُمُ
ٱللَّهُۚ وَكَانَ ٱللَّهُ بِهِمۡ عَلِيمًا ٣٩ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يَظۡلِمُ مِثۡقَالَ ذَرَّةٖۖ
وَإِن تَكُ حَسَنَةٗ يُضَٰعِفۡهَا وَيُؤۡتِ مِن لَّدُنۡهُ أَجۡرًا عَظِيمٗا ٤٠

فَكَيۡفَ إِذَا جِئۡنَا مِن كُلِّ أُمَّةِۭ بِشَهِيدٖ وَجِئۡنَا بِكَ عَلَىٰ هَٰٓؤُلَآءِ شَهِيدٗا ٤١ يَوۡمَئِذٖ يَوَدُّ ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ وَعَصَوُاْ ٱلرَّسُولَ لَوۡ تُسَوَّىٰ بِهِمُ ٱلۡأَرۡضُ وَلَا يَكۡتُمُونَ ٱللَّهَ حَدِيثَۢا ٤٢

Theme	
Men are overseers over women. Corrective measures for disobedient women. Arbitration in family disputes. Huquq-ul-Ibad (rights of other human beings). Witnesses of the Rasools on the Day of Judgment.	मर्द औरतों के निगरान हैं। नाफ़रमान औरतों की इस्लाह के लिए तदाबीर। ख़ानदानी तनाज़ुआत में सालिसी। हुक़ूक़ुल-इबाद (दूसरे इंसानों के हुक़ूक़)। क़ियामत के दिन रसूलों की गवाही।
Tarjumani	
Men are overseers over women because Allah has made the one of them to excel the other, and because men are required to spend their wealth for the maintenance of women. Righteous women are, therefore, devoutly obedient and guard in the husband's absence what Allah requires them to guard (their husband's property and their own honor). As to those women from whom you fear disobedience, first admonish them, then refuse to share your bed with them, and then, if necessary, beat them. Then if they obey you, take no further actions against them and do not make excuses to punish them. Allah is Supremely Great and is aware of your actions. If you fear a breach of	मर्द औरतों पर कव्वाम हैं, इस बिना पर कि अल्लाह ने उनमें से एक को दूसरे पर फ़ज़ीलत दी है, और इस बिना पर कि मर्द अपने माल ख़र्च करते हैं	पस जो सालेह औरतें हैं वे इताअत शिआर होती हैं और मर्दों के पीछे अल्लाह की हिफ़ाज़त व निगरानी में उनके हुक़ूक़ की हिफाज़त करती हैं	और जिन औरतों से तुम्हें सरकशी का अंदेशा हो उन्हें समझाओ, खाबगाहों में उनसे अलाहिदा रहो और मारो, फिर अगर वे तुम्हारी मुतीअ हो जाएँ तो खामखाह उनपर दस्तदराजी के लिए बहाने न तलाश करो, यकीन रखो कि ऊपर अल्लाह मौजूद है जो बड़ा और बालातर है	और अगर तुम लोगों को कहीं मियाँ और बीवी के ताल्लुकात बिगड़ जाने का अंदेशा हो तो एक हकम मर्द के रिश्तेदारों में से और एक औरत के रिश्तेदारों में से मुकर्रर करो, वे दोनों इस्लाह करना चाहेंगे तो

marriage between a man and his wife, appoint one arbiter from his family and another from hers, if they wish to reconcile, Allah will create a way of reconciliation between them. Allah is the Knowledgeable, Aware. Serve Allah and do not commit shirk (associate any partner with Him), and be good to your parents, relatives, orphans, the helpless, near and far neighbours who keep company with you, the travelers in need, and the slaves you own. Allah does not love those who are arrogant and boastful, who are themselves stingy and enjoin others to be stingy, who hide the bounties which Allah has bestowed on them. For such unbelievers We have prepared a disgraceful punishment. Similar punishment has been prepared for those who spend their wealth to show off to the people, believing neither in Allah nor in the Last Day. In fact, the one who chooses Shaitan as his companion has chosen a very evil companion! What harm would they have suffered if they had believed in Allah and the Last Day and spent in charity out of what Allah had given them? Allah Knows them all. Rest assured, Allah does not wrong anyone even by an atom's weight. If someone does a good deed He increases it manifold and also gives an extra great reward on	अल्लाह उनके दरमियान मवाफिकत की सूरत निकाल देगा, अल्लाह सब कुछ जानता है और बाख़बर है	और तुम सब अल्लाह की बन्दगी करो, उसके साथ किसी को शरीक न बनाओ, माँ-बाप के साथ नेक बरताव करो, कराबतदारों और यतीमों और मिस्कीनों के साथ हुस्ने-सुलूक से पेश आओ, और पडोसी रिश्तेदार से, अजनबी हमसाए से, पहलू के साथी और मुसाफ़िर से, और उन लौंडी गुलामों से, जो तुम्हारे कब्ज़े में हों, एहसान का मामला रखो, यकीन जानो अल्लाह किसी ऐसे शख्स को पसन्द नहीं करता जो अपने पिन्दार में मग़रूर हो और अपनी बड़ाई पर फ़ख्र करे	और ऐसे लोग भी अल्लाह को पसन्द नहीं हैं जो कंजूसी करते हैं और दूसरों को भी कंजूसी की हिदायत करते हैं और जो कुछ अल्लाह ने अपने फज्ल से उन्हें दिया है उसे छिपाते हैं	ऐसे काफ़िरे-नेमत लोगों के लिए हमने रुसवाकुन अज़ाब मुहैया कर रखा है	और वे लोग भी अल्लाह को नापसन्द हैं जो अपने माल महज़ लोगों को दिखने के लिए ख़र्च करते हैं और दरहकीकत न अल्लाह पर ईमान रखते हैं न रोज़े-आख़िर पर	सच यह है कि शैतान जिसका रफ़ीक हुआ उसे बहुत ही बुरी रिफाकत मुयस्सर आई	आख़िर इन लोगों पर क्या आफ़त आ जाती अगर ये अल्लाह और रोज़े-आख़िर पर ईमान रखते और जो कुछ अल्लाह ने दिया है उसमें से ख़र्च करते	अगर ये ऐसा करते तो अल्लाह से उनकी नेकी का हाल छिपा न रह जाता	अल्लाह किसी पर ज़र्रा बराबर भी ज़ुल्म नहीं करता	अगर कोई एक नेकी करे तो अल्लाह उसे दो-चन्द करता है और फिर

His own. Just imagine, how they will feel, when We shall bring a witness from every nation and call upon you, O Muhammad, to testify against them? On that Day (the Day of Judgment) those who rejected faith and disobeyed the Rasool will wish that they were levelled with earth; for they will not be able to hide a single word from Allah!	अपनी तरफ़ से बड़ा अज्र अता फ़रमाता है	फिर सोचो कि उस वक़्त ये क्या करेंगे जब हम हर उम्मत में से एक गवाह लाएँगे और इन लोगों पर तुम्हें (यानी मुहम्मद सल्ल० को) गवाह की हैसियत से खड़ा करेंगे	उस वक़्त वे सब लोग जिन्होंने रसूल की बात न मानी और उसकी नाफ़रमानी करते रहे, तमन्ना करेंगे कि काश ज़मीन फट जाए और वे उसमें समा जाएँ	वहाँ ये अपनी कोई बात अल्लाह से न छिपा सकेंगे	
Tafsir	